



# Haryana Government Gazette

Published by Authority

© Government of Haryana

No. 26-2024]

CHANDIGARH, TUESDAY, JUNE 25, 2024 (ASADHA 4, 1946 SAKA)

## PART-I

### Notifications, Orders and Declarations by Haryana Government

हरियाणा सरकार

कला एवं सांस्कृतिक कार्य विभाग

अधिसूचना

दिनांक 14 जून, 2024

**सं. 1/4/2024-2पी.**— हरियाणा के राज्यपाल के आदेशानुसार इस अधिसूचना के जारी होने की तिथि से 'हरियाणा अर्चक, पुजारी एवं अन्य नियुक्त धार्मिक पेशेवर कल्याण बोर्ड' की स्थापना की जाती है तथा जिसका संविधान, नियम व उप-विधियाँ इस प्रकार से हैं:-

**1. बोर्ड का नाम:** बोर्ड का नाम "हरियाणा अर्चक, पुजारी एवं अन्य नियुक्त धार्मिक पेशेवर कल्याण बोर्ड" (एच.ए.पी.डब्ल्यू.बी.) होगा और इसकी स्थापना हरियाणा सरकार द्वारा की जाएगी।

**2. स्थान और पता:** बोर्ड का पंजीकृत मुख्यालय चंडीगढ़/पंचकूला में होगा और आवश्यकतानुसार बोर्ड हरियाणा राज्य में कहीं भी इसके एक या अधिक शाखा कार्यालय स्थापित किये जा सकते हैं।

**3. पुजारी:** धार्मिक पदाधिकारी अर्थात् पुजारी, जिनका उल्लेख यहाँ किया गया है, उनमें हिंदू धर्म में पंडित, पुजारी और पुरोहित; इस्लाम में इमाम और मौलवी; सिख धर्म में ग्रंथी, बौद्ध धर्म में भिक्षु, लामा और नन, जैन धर्म में साधु, साध्वी और भिक्षु, तथा ईसाई धर्म में पुजारी और पादरी को उनके संबंधित धर्मों के भीतर नियुक्त धार्मिक पदाधिकारियों के रूप में मान्यता प्राप्त है। इन पदाधिकारियों को शामिल करने का उद्देश्य विभिन्न विश्वास पद्धतियों में धार्मिक नेताओं और पदाधिकारियों की विविधता को पहचानने में स्पष्टता लाना है। ऐसे व्यक्ति, जो विशिष्ट धार्मिक जिम्मेदारियाँ निभाते हैं, अनुष्ठान करते हैं, सामूहिक गतिविधियों का नेतृत्व करते हैं और धार्मिक समारोहों, अनुष्ठानों या सेवाओं को करने के लिए अपने धार्मिक संस्थानों द्वारा विधिवत अधिकृत होते हैं, उन्हें सभी व्यावहारिक उद्देश्यों के लिए पुजारी माना जाएगा।

**4. बोर्ड के उद्देश्य और लक्ष्य:**

(i) यह बोर्ड पुजारियों से संबंधित सभी मुद्दों के लिए विशिष्ट निवारण उपायों को तैयार करेगा और उनकी सिफारिश करेगा। इसका उद्देश्य पुजारियों के पेशेवर और व्यक्तिगत जीवन के लिए अनुकूल और सहायक वातावरण सुनिश्चित करना होगा।

(ii) बोर्ड, अपने वैधानिक दायित्वों का पालन करते हुए, पुजारियों की आर्थिक स्थिति का व्यापक विश्लेषण करेगा। इस विश्लेषण में मौजूदा आर्थिक स्थिति, जीवनयापन सूचकांक की लागत और पुजारी द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाओं की प्रकृति जैसे घटक शामिल होंगे। बोर्ड पुजारियों के लिए न्यूनतम वेतन पर विचार-विमर्श करेगा और उसकी सिफारिश करेगा। पुजारियों का वेतन उनके द्वारा प्रदान की गई बहुमूल्य सेवाओं के अनुरूप होगा ताकि उनकी वित्तीय स्थिरता सुनिश्चित हो सके।

(iii) बोर्ड पुजारियों के लिए कल्याणकारी उपायों की एक शृंखला की पहचान करने और उन्हें लागू करने में सक्रिय दृष्टिकोण अपनाएगा।

(iv) ये उपाय धार्मिक अनुष्ठानों में लगे पुजारियों के जीवन की समग्र गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए तैयार किए जाएंगे।

कल्याणकारी पहलों में निम्नलिखित शामिल हो सकते हैं, लेकिन इन्हीं तक सीमित नहीं होंगे:-

- **स्वास्थ्य सेवा प्रावधान:** बोर्ड पुजारियों और उनके परिवारों के लिए चिकित्सा सुविधाओं— जैसे कि नियमित स्वास्थ्य जांच और चिकित्सा बीमा तक पहुंच सुनिश्चित करते हुए स्वास्थ्य सेवा कार्यक्रमों का पता लगाएगा और स्थापना करेगा।
- **शैक्षणिक सहायता:** बोर्ड पुजारियों और उनके आश्रितों को शैक्षणिक सहायता प्रदान करने के लिए छात्रवृत्ति, व्यावसायिक प्रशिक्षण या अनुदान जैसे कार्यक्रम शुरू कर सकता है।
- **आवासीय सुविधाएं:** बोर्ड पुजारियों के लिए आवास का प्रावधान करने के लिए पहल कर सकता है।
- **कौशल विकास:** बोर्ड पुजारियों के साथ-साथ उनके बच्चों को कौशल प्रशिक्षण की सुविधा प्रदान कर सकता है। यह कौशल उन्नयन सुनिश्चित करने के लिए अलग-अलग योजनाओं या प्रोत्साहनों का रूप ले सकता है।
- **अतिरिक्त कल्याण पहल:** बोर्ड पुजारियों के समक्ष आने वाली विशिष्ट आवश्यकताओं और चुनौतियों के समाधान करने के उद्देश्य से विविध पहल शुरू कर सकता है, जिनमें पेंशन योजना, आपातकालीन स्थितियों या बच्चों की शादी जैसे आयोजनों के दौरान वित्तीय सहायता, धार्मिक संगोष्ठियों का आयोजन, परामर्श सेवाएं, धार्मिक/ऐतिहासिक महत्व के स्थानों की यात्रा की व्यवस्था आदि शामिल हैं।

(iv) बोर्ड राज्य सरकार और पुजारी समुदाय के बीच संपर्क बनाए रखेगा। यह खुली और प्रभावी बातचीत की सुविधा प्रदान करेगा, जिससे पुजारियों की चिंताओं, जरूरतों और दृष्टिकोणों को सरकार तक सही ढंग से पहुंचाया जा सके तथा उनमें सहयोग और समझ को बढ़ावा दिया जा सके।

**5. बोर्ड का प्रबंधन:** बोर्ड के मामलों का प्रबंधन इसके शासी निकाय और कार्यकारी समिति के पास होगा।

**शासी निकाय:** बोर्ड के मामलों का प्रबंधन इसके शासी निकाय तथा कार्यकारी समिति के पास होगा। शासी निकाय में मुख्य कार्यकारी अधिकारी—सह—सदस्य सचिव, अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी, पदेन सदस्य, शासी निकाय की अवधि के लिए अध्यक्ष द्वारा सहयोजित गैर सरकारी/मनोनीत सदस्य शामिल होंगे।

**कार्यकारी समिति:** बोर्ड की कार्यकारी समिति में बोर्ड के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, मुख्य कार्यकारी अधिकारी—सह—सदस्य सचिव, अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी तथा हरियाणा अर्चक, पुजारी एवं अन्य नियुक्त धार्मिक पेशेवर कल्याण बोर्ड का वित्त अधिकारी शामिल होंगे।

**6. बोर्ड के गठन हेतु संस्थापक सदस्य:-** संस्थापक प्रलेख में वर्णित प्रयोजन के लिए स्वयं को जोड़ने वाले तथा बोर्ड का हिस्सा बनने के इच्छुक अधोहस्ताक्षरी सदस्य बोर्ड के संस्थापक सदस्य होंगे।

**7. नियम बनाने की शक्तियाँ:** बोर्ड के शासी निकाय को शासन हेतु उप-नियम और विनियम बनाने की शक्तियाँ होंगी। वे राज्य सरकार के अनुमोदन के पश्चात लागू होंगे।

#### इच्छुक सदस्य

हम विभिन्न व्यक्ति, जिनके पते नीचे दिए गए हैं जोकि संस्थापन प्रलेख में वर्णित प्रयोजन हेतु एकजुट हुए हैं, एतद् द्वारा इस संस्थापन प्रलेख के लिए अपने नाम आगे करते हैं और हाथ बढ़ाते हैं तथा हरियाणा समितियाँ पंजीकरण एवं विनियमन अधिनियम, 2012 के तहत अपने आपको एक बोर्ड के रूप में स्थापित करते हैं:-

क्रम संख्या	नाम और पद
1	मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार
2	प्रशासनिक सचिव, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग
3	प्रशासनिक सचिव, पर्यटन विभाग
4	प्रशासनिक सचिव, वित्त विभाग
5	प्रशासनिक सचिव, सूचना, जन संपर्क, भाषा एवं संस्कृति विभाग
6	निदेशक/महानिदेशक, कला एवं सांस्कृतिक कार्य विभाग

**हरियाणा अर्चक, पुजारी एवं अन्य नियुक्त धार्मिक पेशेवर कल्याण बोर्ड  
(एचएपीडब्ल्यूबी)  
उपनियम**

**नियम और विनियम**

शीर्षक:— ये उप-नियम "हरियाणा अर्चक, पुजारी एवं अन्य नियुक्त धार्मिक पेशेवर कल्याण बोर्ड (इसके पश्चात एचएपीडब्ल्यूबी अथवा बोर्ड के नाम से जाना जायेगा) के नियम और विनियम कहे जाएंगे।

1. **बोर्ड (एचएपीडब्ल्यूबी) की स्थिति:** बोर्ड एक न्यायिक व्यक्ति होगा, जिसका शाश्वत् उत्तराधिकार होगा और वह अपने मुख्य कार्यकारी अधिकारी / सदस्य-सचिव के माध्यम से मुकदमा कर सकता है या इस पर मुकदमा किया जा सकता है।
2. **कार्यक्षेत्र और अनुप्रयोग:** ये नियम और विनियम हरियाणा राज्य में बोर्ड की सभी शाखाओं और गतिविधियों पर लागू होंगे।
3. **परिभाषाएं:** इन नियमों में निम्नलिखित अभिव्यक्तियों का अर्थ होगा, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो:—
  - क. "अधिनियम" से अभिप्राय है, हरियाणा समितियां पंजीकरण एवं विनियमन अधिनियम, 2012
  - ख. "बोर्ड" से अभिप्राय है, अधिनियम के तहत पंजीकृत हरियाणा अर्चक, पुजारी एवं अन्य नियुक्त धार्मिक पेशेवर कल्याण बोर्ड।
  - ग. "अध्यक्ष" से अभिप्राय है, एचएपीडब्ल्यूबी के अध्यक्ष तथा राज्य के मुख्यमंत्री।
  - घ. "उपाध्यक्ष" से अभिप्राय है, अध्यक्ष द्वारा एचएपीडब्ल्यूबी के उपाध्यक्ष के रूप में नियुक्त व्यक्ति।
  - ङ. "सक्षम प्राधिकारी" से अभिप्राय है, बोर्ड की सामान्य/शासी निकाय।
  - च. "शासी निकाय" से अभिप्राय है, "शासी निकाय", जिसे इन नियमों एवं विनियमों द्वारा कार्यकारी समिति सहित बोर्ड का प्रबंधन तथा इसके कार्य सौंपे गए हैं।
  - छ. "सामान्य निकाय" से अभिप्राय है, कार्यकारी समिति सहित बोर्ड के सभी सदस्यों का सामान्य निकाय।
  - ज. "कार्यकारी समिति" से अभिप्राय है, हरियाणा अर्चक, पुजारी एवं अन्य नियुक्त धार्मिक पेशेवर कल्याण बोर्ड की कार्यकारी समिति, जिसमें बोर्ड के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, अतिरिक्त कार्यकारी अधिकारी और वित्त अधिकारी शामिल होंगे।
  - झ. "मुख्य कार्यकारी अधिकारी" से अभिप्राय है, इन नियमों और विनियमों के अंतर्गत नियुक्त बोर्ड का मुख्य कार्यकारी अधिकारी।
  - ञ. "अतिरिक्त कार्यकारी अधिकारी" से अभिप्राय है, इन नियमों और विनियमों के अनुसार नियुक्त बोर्ड का अतिरिक्त कार्यकारी अधिकारी।
  - ट. "सदस्य सचिव" शासी निकाय/सामान्य निकाय के "सदस्य सचिव" से अभिप्राय है, हरियाणा अर्चक, पुजारी एवं अन्य नियुक्त धार्मिक पेशेवर कल्याण बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी।
  - ठ. "राज्य सरकार" से अभिप्राय है, हरियाणा सरकार।
4. **सदस्यता:** बोर्ड में एक सामान्य निकाय होगा, जिसमें निम्नलिखित सदस्य होंगे—
  - क. पदेन सदस्य
  - ख. गैर-सरकारी/मनोनीत सदस्य
    - i. पदेन सदस्य:— अपनी सरकारी क्षमता में सदस्यता धारक सदस्य। ऐसी सदस्यता के मामले में सदस्य के स्थानान्तरण अथवा सेवा- समाप्ति अथवा मृत्यु अथवा त्याग-पत्र देने पर कार्यालय का उत्तराधिकारी स्वतः सामान्य निकाय का सदस्य बन जायेगा। अध्यक्ष समय-समय पर पदेन सदस्यों का सहयोजन करेंगे।
    - ii. गैर-सरकारी/मनोनीत सदस्य:— एचएपीडब्ल्यूबी के अध्यक्ष द्वारा इस प्रकार शामिल किये जाने वाले गैर-सरकारी/नामित सदस्य प्रतिष्ठित व्यक्ति होंगे। नामित सदस्यों की नियुक्ति की अवधि प्रथम चरण में एक वर्ष होगी।
5. **सदस्यता समाप्त होना:**
  - क. बोर्ड के किसी सदस्य की सदस्यता स्वतः समाप्त हो जाएगी, यदि सदस्य की —
    - i. मृत्यु हो जाती है, या स्थायी रूप से भारत छोड़ देता है; अथवा
    - ii. बोर्ड को लिखित में त्याग-पत्र भेज देता है; अथवा
    - iii. सक्षम प्राधिकारी द्वारा विक्षिप्त घोषित कर दिया जाता है; अथवा
    - iv. किसी न्यायालय द्वारा दोषी पाया जाता है; अथवा
    - v. सामान्य निकाय के सदस्यों के 2/3 बहुमत द्वारा प्रस्ताव पारित करके हटा दिया जाता है।

**ख. सदस्यता का स्थगन :** सामान्य निकाय या शासी निकाय के सदस्य की सदस्यता, जैसी भी स्थिति हो, पदेन क्षमता में पदधारण की हैसियत से, उसके द्वारा पद छोड़ने पर स्थगित हो जाएगी।

**6. सामान्य निकाय:** सामान्य निकाय बोर्ड के कार्यक्रमों के लिए सम्पूर्ण नीति मार्गदर्शन तथा सहयता उपलब्ध करवाएगा।

**अध्यक्ष:** हरियाणा के मुख्यमंत्री, हरियाणा अर्चक, पुजारी एवं अन्य नियुक्त धार्मिक पेशेवर कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष होंगे।

**उपाध्यक्ष:** अध्यक्ष द्वारा हरियाणा अर्चक, पुजारी एवं अन्य नियुक्त धार्मिक पेशेवर कल्याण बोर्ड के उपाध्यक्ष के रूप में नियुक्त व्यक्ति उपाध्यक्ष होगा।

**बोर्ड के उपाध्यक्ष के लिए नियम एवं शर्तें:**

(i) कार्यकाल: बोर्ड के सदस्यों का कार्यकाल एक वर्ष अथवा नामांकन प्राधिकारी के निर्देश पर होगा, जो भी लागू हो। नामांकन प्राधिकारी बोर्ड के सदस्यों के कार्यकाल की अवधि निर्धारित करने में सक्षम होगा, और नामांकन प्राधिकारी के निर्देश के आधार पर उनकी सेवा को बढ़ाया या घटाया जा सकता है।

(ii) मानदेय: उन्हें मानदेय के रूप में 75,000/- रुपये प्रतिमाह का भुगतान किया जाएगा।

(iii) सुविधाएं:

**क. मकान किराया:** उपाध्यक्ष को 50,000/- रुपये प्रतिमाह मकान किराया भत्ता या वास्तविक किराया, जो भी कम हो, प्रदान किया जायेगा।

**ख. टेलीफोन:** कार्यालय के साथ-साथ आवास पर टेलीफोन सुविधा प्रदान की जाएगी, साथ ही राज्य सरकार के ग्रेड-I अधिकारी (एफपीएल-14) की तरह एक सेल फोन भी प्रदान किया जायेगा।

**ग. दैनिक भत्ता:** स्वीकार्य दैनिक भत्ते की दर ग्रेड-I अधिकारियों की पात्रता के अनुसार होगी।

**घ. चिकित्सा भत्ता:** सरकारी कर्मचारियों को प्रदान की जाने वाली चिकित्सा सुविधाएं प्रदान की जाएगी।

**ङ. स्टाफ कार:** उपाध्यक्ष को मुख्यालय पर आधिकारिक उपयोग और बाहरी आधिकारिक यात्रा के उपयोग के लिए एक स्टाफ कार उपलब्ध करवाई जाएगी।

**नोट:** जब यात्रा राज्य और दिल्ली से बाहर के स्थान पर की जाती है और स्टाफ कार का उपयोग नहीं किया जाता है, तो राज्य की सीमा/दिल्ली से बाहर की दूरी के लिए यात्रा भत्ता देय होगा। यात्रा भत्ते की स्वीकार्य दर, राज्य सरकार के ग्रेड-I अधिकारियों (FPL-14) के लिए लागू दर के समान होगी, बशर्ते कि (जब एक गैर-सरकारी उपाध्यक्ष को स्टाफ कार प्रदान की जाती है) वह एक कैलेंडर माह में मुख्यालय और मुख्यालय के बाहर कुल 5000 किलोमीटर की सीमा तक आधिकारिक ड्यूटी कर सकता है तथा यदि मुख्यालय और मुख्यालय के बाहर कुल यात्रा एक कैलेंडर माह में 5000 किलोमीटर से अधिक है, तो अतिरिक्त यात्रा को निजी यात्रा माना जाएगा।

या

स्टाफ कार के मामले में, आउटसोर्सिंग नीति के तहत 18 रुपये प्रति किलोमीटर की दर से माइलेज योजना का विकल्प चुनने का विकल्प प्रदान किया जा सकता है।

**(नोट:** सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों/विभागों/सहकारी संगठनों में गैर-सरकारी उपाध्यक्ष/सलाहकार के रूप में नियुक्ति के लिए सभी मानक नियम और शर्तें बोर्ड के उपाध्यक्ष पर लागू होंगी, जैसा कि राज्य सरकार द्वारा समय-समय पर जारी की जाती हैं)

**पदेन सदस्य;**

- (i) मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार।
- (ii) अतिरिक्त मुख्य सचिव/प्रधान सचिव, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग।
- (iii) अतिरिक्त मुख्य सचिव/प्रधान सचिव, पर्यटन विभाग।
- (iv) अतिरिक्त मुख्य सचिव/प्रधान सचिव, वित्त विभाग।
- (v) अतिरिक्त मुख्य सचिव/प्रधान सचिव, सूचना, जनसंपर्क, भाषा एवं संस्कृति विभाग।
- (vi) निदेशक/महानिदेशक, कला एवं सांस्कृतिक कार्य विभाग।

**गैर-सरकारी/मनोनीत सदस्य:**

राज्य सरकार प्रतिष्ठित व्यक्तियों में से अधिकतम 5 सदस्यों को मनोनीत करेगी। इसके अतिरिक्त, अध्यक्ष की अनुमति से बोर्ड की बैठकों तथा कार्यक्रमों में विशेष आमंत्रितों को भी आमंत्रित किया जा सकता है।

**गैर-सरकारी सदस्यों के लिए नियम एवं शर्तें:**

- I. गैर-सरकारी सदस्यों का कार्यकाल एक वर्ष का होगा। यदि राज्य सरकार चाहे तो इस अवधि को बढ़ाया जा सकता है।
- II. बोर्ड का मुख्यालय चंडीगढ़/पंचकूला में होगा, लेकिन अध्यक्ष आवश्यकतानुसार पूरे राज्य में कहीं भी बैठक कर सकते हैं।

- III. गैर-सरकारी सदस्य बोर्ड की बैठक में भाग लेने के लिए यात्रा करते समय यात्रा और दैनिक भत्ते के हकदार होंगे, जैसा कि राज्य सरकार के ग्रेड-II अधिकारियों को यात्रा भत्ता नियमों में उल्लेखित है। यात्रा भत्ते स्थायी निवास स्थान से प्रदान किए जाएंगे।
- IV. यात्रा भत्ता/महंगाई भत्ता आदि के कारण होने वाले व्यय को एचएपीडब्ल्यूबी फंड से वहन किया जाएगा।  
(नोट: उपाध्यक्ष और अन्य गैर-सरकारी सदस्यों के लिए उपर्युक्त नियम एवं शर्तें राज्य सरकार द्वारा समय-समय पर संशोधित की जा सकती हैं।)
7. **सामान्य निकाय की शक्तियां एवं कार्य:-**  
सामान्य निकाय की शक्तियां एवं कार्य निम्नानुसार होंगे:-
- क. हरियाणा राज्य में पुजारियों के कल्याण से संबंधित नीतियां, कार्यक्रम, योजनाएं बनाना तथा इनकी निगरानी व कार्यान्वयन का काम देखना।
- ख. हरियाणा राज्य में पुजारियों के कल्याण से संबंधित कार्यक्रमों/योजनाओं के तहत संसाधन जरूरतों के आकलन, पहचान को सुविधाजनक बनाना तथा उनका आबंटन करना।
8. **सामान्य निकाय तथा इसकी बैठकें:**
- (i) **वार्षिक सामान्य बैठक:** बोर्ड प्रतिवर्ष अपने सभी सदस्यों की वार्षिक सामान्य बैठक (एजीएम) आयोजित करेगा।
- (ii) **विशेष सामान्य बैठक:** वार्षिक सामान्य बैठक के अतिरिक्त, सामान्य निकाय के अध्यक्ष के आग्रह पर अथवा सामान्य निकाय के कम से कम एक तिहाई सदस्यों के आग्रह पर किसी भी समय विशेष सामान्य बैठक आयोजित की जा सकती है।
- (iii) **कार्य संचालन:** सामान्य निकाय की प्रत्येक बैठक की अध्यक्षता अध्यक्ष द्वारा या उनकी अनुपस्थिति में उपाध्यक्ष द्वारा या उनकी अनुपस्थिति में उपस्थित सदस्यों में से उनके द्वारा चुने गए किसी एक सदस्य द्वारा की जाएगी। सामान्य निकाय की बैठक में अध्यक्षता करने वाले सदस्य सहित प्रत्येक सदस्य का एक मत होगा, परंतु मतों की समानता की स्थिति में अध्यक्षता करने वाले सदस्य को, सदस्य के रूप में उसके मत के अतिरिक्त निर्णायक मत देने का भी अधिकार होगा। सभी मामलों पर निर्णय सर्वसम्मति या बहुमत द्वारा लिया जायेगा।
- (iv) **रिपोर्ट —** प्रत्येक वार्षिक सामान्य बैठक में सामान्य निकाय के समक्ष पूर्व वित्तीय वर्ष से संबंधित निम्नलिखित रिपोर्ट रखी जाएगी:-
1. बोर्ड के लक्ष्यों और उद्देश्यों को आगे बढ़ाने में इसके कार्यक्रमों में हुई प्रगति समेत इसके मामलों के संबंध में शासी निकाय की रिपोर्ट।
  2. परिसंपत्तियों तथा देनदारियों के विवरण की लेखापरीक्षित प्रति।
  3. बोर्ड के लेखा परीक्षक की रिपोर्ट।
- (v) **बैठक की कार्यवाही :** प्रत्येक बैठक की कार्यवाही की एक प्रति बैठक समाप्त होने के पश्चात यथाशीघ्र सामान्य निकाय के सदस्य को उपलब्ध करवाई जाएगी। अध्यक्ष/उपाध्यक्ष बैठक के कार्यवाही को अनुमोदित करेंगे। प्रत्येक बैठक की कार्यवाही सदस्य-सचिव द्वारा रखी जाएगी तथा अगली बैठक में पढ़ी जाएगी तथा संशोधनों के साथ या बिना संशोधनों के, जैसा भी मामला हो, उसकी पुष्टि की जाएगी।
- (vi) **प्रस्ताव:** सामान्य निकाय का प्रत्येक प्रस्ताव, प्रस्ताव को वैध बनाने के लिए सहमति द्वारा अथवा उपस्थित सदस्यों के बहुमत द्वारा पारित किया जायेगा। शीघ्रता के मामले में, बोर्ड का सदस्य सचिव अनुमोदन हेतु प्रस्ताव को परिसंचारित कर सकता है और यदि यह सदस्यों के बहुमत द्वारा अनुमोदित कर दिया जाता है तो इसे पारित समझा जायेगा। ऐसे प्रस्ताव को केवल तभी वैध समझा जायेगा बशर्ते कि प्रस्ताव का अनुमोदन करने वाले सदस्यों में अध्यक्ष भी शामिल हों। परिसंचरण द्वारा इस प्रकार पारित प्रस्ताव को सामान्य निकाय की बैठक की अगली कार्यवाही में दर्ज किया जायेगा।
9. **शासी निकाय:-** शासी निकाय ऐसा शासी निकाय होगा, जिसे बोर्ड के इन नियमों तथा विनियमों द्वारा इसके मामलों का प्रबंधन सौंपा गया है। शासी निकाय में निम्नलिखित सदस्य शामिल होंगे।
- अध्यक्ष:-** हरियाणा के मुख्यमंत्री, हरियाणा अर्चक, पुजारी एवं अन्य नियुक्त धार्मिक पेशेवर कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष होंगे।
- उपाध्यक्ष:-** अध्यक्ष द्वारा हरियाणा अर्चक, पुजारी एवं अन्य नियुक्त धार्मिक पेशेवर कल्याण बोर्ड के उपाध्यक्ष के रूप में नियुक्त व्यक्ति उपाध्यक्ष होगा।
- शासी निकाय के पदेन सदस्य**
- (i) मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार।
  - (ii) अतिरिक्त मुख्य सचिव/प्रधान सचिव, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग।
  - (iii) अतिरिक्त मुख्य सचिव/प्रधान सचिव, पर्यटन विभाग।

- (iv) अतिरिक्त मुख्य सचिव/प्रधान सचिव, वित्त विभाग।
- (v) अतिरिक्त मुख्य सचिव/प्रधान सचिव, सूचना, जनसंपर्क भाषा एवं संस्कृति विभाग।
- (vi) निदेशक/महानिदेशक, कला एवं सांस्कृतिक कार्य विभाग।

#### 10. गैर-सरकारी/नामित सदस्य:-

राज्य सरकार प्रतिष्ठित व्यक्तियों में से अधिकतम 5 सदस्यों को मनोनीत करेगी।

**बैठकें:** शासी निकाय की बैठक अधिनियम के तहत आवश्यकतानुसार अथवा अध्यक्ष अथवा उपाध्यक्ष द्वारा अधिकृत उपाध्यक्ष की इच्छानुसार होगी। किसी बैठक में जब तक कम से कम एक तिहाई सदस्य उपस्थित नहीं होंगे, किसी प्रकार का कार्य संचालन नहीं किया जायेगा।

i. **विशेष बैठक:** शासी निकाय के अध्यक्ष के अनुरोध पर शासी निकाय के कम से कम एक तिहाई सदस्यों के अनुरोध पर किसी भी समय विशेष बैठक बुलाई जा सकती है।

ii. **कार्य संचालन:** शासी निकाय की प्रत्येक बैठक की अध्यक्षता अध्यक्ष द्वारा या उनकी अनुपस्थिति में उपाध्यक्ष द्वारा या उनकी अनुपस्थिति में उपस्थित सदस्यों में से उनके द्वारा चुने गए किसी एक सदस्य द्वारा की जाएगी। शासी निकाय की बैठक में अध्यक्षता करने वाले सदस्य सहित प्रत्येक सदस्य का एक मत होगा, परंतु मतों की समानता की स्थिति में अध्यक्षता करने वाले सदस्य को, सदस्य के रूप में उसके मत के अतिरिक्त निर्णायक मत देने का भी अधिकार होगा। सभी मामलों पर निर्णय सर्वसम्मति या बहुमत द्वारा लिया जायेगा।

iii. **बैठक की कार्यवाही:** प्रत्येक बैठक की कार्यवाही की एक प्रति बैठक समाप्त होने के पश्चात यथाशीघ्र शासी निकाय के सदस्य को उपलब्ध करवाई जाएगी। अध्यक्ष/उपाध्यक्ष बैठक के कार्यवाही को अनुमोदित करेंगे। प्रत्येक बैठक की कार्यवाही सदस्य-सचिव द्वारा रखी जाएगी तथा अगली बैठक में पढ़ी जाएगी तथा संशोधनों के साथ या बिना संशोधनों के, जैसा भी मामला हो, उसकी पुष्टि की जाएगी।

iv. **प्रस्ताव:** शासी निकाय का प्रत्येक प्रस्ताव, प्रस्ताव को वैध बनाने के लिए सहमति द्वारा अथवा उपस्थित सदस्यों के बहुमत द्वारा पारित किया जायेगा। शीघ्रता के मामले में, बोर्ड का सदस्य सचिव अनुमोदन हेतु प्रस्ताव को परिसंचारित कर सकता है और यदि यह सदस्यों के बहुमत द्वारा अनुमोदित कर दिया जाता है तो इसे पारित समझा जायेगा। ऐसे प्रस्ताव को केवल तभी वैध समझा जायेगा बशर्ते कि प्रस्ताव का अनुमोदन करने वाले सदस्यों में अध्यक्ष भी शामिल हों। परिसंचरण द्वारा इस प्रकार पारित प्रस्ताव को शासी निकाय की बैठक की अगली कार्यवाही में दर्ज किया जायेगा।

#### 11. बोर्ड के उपाध्यक्ष की कार्यकारी शक्तियाँ :-

बोर्ड के उपाध्यक्ष, अध्यक्ष द्वारा समय-समय पर सौंपी जाने वाली सभी प्रशासकीय तथा वित्तीय शक्तियों का प्रयोग करने के पात्र होंगे।

#### 12. शासी निकाय के कार्य और शक्तियाँ :-

संस्थापन प्रलेख के प्रावधानों तथा कार्य संचालन एवं मामलों तथा नियमों के अनुसार, शासी निकाय के पास इसके सदस्य सचिव के माध्यम से बोर्ड के कार्य के संचालन हेतु सभी परामर्शी, कार्यकारी तथा वित्तीय शक्तियाँ होंगी। बोर्ड के उद्देश्यों को आगे बढ़ाने के लिए अपेक्षित तथा प्रासंगिक सभी कर्तव्यों, शक्तियों, कार्यों तथा अधिकारों, चाहे जो भी हो, का प्रयोग अथवा निष्पादन केवल शासी निकाय द्वारा किया जायेगा।

13. **मुख्य कार्यकारी अधिकारी-सह-सदस्य सचिव :** एचएपीडब्ल्यूबी मुख्य कार्यकारी अधिकारी-सह-सदस्य सचिव, अध्यक्ष द्वारा नियुक्त किया जाएगा। वह हरियाणा सरकार में सेवारत भारतीय प्रशासनिक सेवाओं के अधिकारी होंगे। वह बोर्ड की सामान्य निकाय/शासी निकाय का सदस्य-सचिव तथा इसका मुख्य कार्यकारी अधिकारी होंगे।

14. **अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी :** एचएपीडब्ल्यूबी का अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी दैनिक प्रशासन तथा सामान्य निकाय और शासी निकाय में बोर्ड के वित्तीय मामलों के संचालन में मुख्य कार्यकारी अधिकारी-सह-सदस्य सचिव का सहयोग करेगा। वह हरियाणा सरकार में कार्यरत हरियाणा सिविल सेवा का अधिकारी होगा।

15. **वित्त अधिकारी -** बोर्ड के वित्तीय पहलू की देखभाल करने के लिए अध्यक्ष द्वारा वित्त अधिकारी नियुक्त किया जायेगा। वह हरियाणा सरकार से संबंधित संवर्ग का अधिकारी होगा।

16. **मुख्य कार्यकारी अधिकारी-सह-सदस्य सचिव की शक्तियाँ तथा कार्य :** मुख्य कार्यकारी अधिकारी निम्नलिखित कार्य करेगा:-

- (i) पुरोहितों के कल्याण के लिए राज्य सरकार द्वारा निर्धारित नीतियों/योजनाओं के निष्पादन हेतु आवश्यकतानुसार उपयुक्त कार्यवाही करना तथा उनके निर्णयों को किर्यान्वित करना।
- (ii) बोर्ड के सभी कर्मचारियों का नियंत्रण प्राधिकारी होने के नाते बोर्ड के दैनिक मामलों और प्रशासन का नियंत्रण करना।

- (iii) बोर्ड द्वारा प्रमाणीकरण हेतु अपेक्षित सभी दस्तावेजों तथा कार्यवाहियों पर हस्ताक्षर करना।
  - (iv) कार्य और कानूनी कार्यवाही में बोर्ड का प्रतिनिधित्व करना।
  - (v) अध्यक्ष/उपाध्यक्ष के परामर्श से बोर्ड के आधिकारिक सदस्यों और गैर-सरकारी सदस्यों की बैठकें बुलाएगा।
  - (vi) बोर्ड के गैर-सरकारी सदस्यों के टीए बिलों के संबंध में नियंत्रण अधिकारी के रूप में कार्य करना।
- (शासी निकाय द्वारा सचिव-सह-सदस्य सचिव को समय-समय पर सौंपी गई अन्य शक्तियों/कार्यों का निष्पादन करना।)

#### 17. बोर्ड के कर्मचारियों के सेवा नियम :

- (क) बोर्ड राज्य सरकार की सहमति से शासी निकाय के अनुमोदन द्वारा अपने कर्मचारियों के सेवा मामलों के संबंध में नियम बना तथा अंगीकार कर सकता है।
- (ख) शासी निकाय द्वारा सृजित किए जाने वाले पदों के संबंध में वेतनमान हरियाणा कौशल रोजगार निगम लिमिटेड के समकक्ष होगा या राज्य सरकार के परामर्श से शासी निकाय द्वारा अनुमोदित होगा।
- (ग) सलाहकारों और अन्य पदाधिकारियों, जो बोर्ड के नियमित कर्मचारी नहीं हैं, की नियुक्ति की शर्तों को शासी निकाय के अनुमोदन से अंतिम रूप दिया जायेगा।
- (घ) बोर्ड के लिए सृजित किए जाने वाले पदों के संबंध में भर्ती का तरीका प्रतिनियुक्ति या अल्पकालिक अनुबंध या हरियाणा सरकार की प्रासंगिक प्रक्रिया के माध्यम से होगा। कार्य से संबंधित विशिष्ट कार्यभार के लिए, व्यक्तियों को शासी निकाय के अनुमोदन से आवश्यक समझे जाने पर संशोधन के प्रावधानों के साथ निश्चित पारिश्रमिक पर तैनात किया जाएगा।

18. **निधि :** बोर्ड "एचएपीडब्ल्यूबी फंड" नामक एक फंड अथवा निधि बनाए रखेगा, जिसमें वह राज्य और केंद्र सरकार द्वारा प्रदान की जाने वाली सभी धनराशि और किसी अन्य स्रोत से प्राप्त वित्तीय सहायता जमा करेगा।

#### 19. वित्तीय शक्तियाँ :

- (क) हरियाणा अर्चक, पुजारी और अन्य नियुक्त धार्मिक पेशेवर कल्याण बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी समय-समय पर शासी निकाय के विशेष प्रस्ताव द्वारा अधिकृत वित्तीय शक्तियों/अनुमोदनों का प्रयोग करने के हकदार होंगे।
- (ख) हरियाणा अर्चक, पुजारी और अन्य नियुक्त धार्मिक पेशेवर कल्याण बोर्ड के उपाध्यक्ष समय-समय पर शासी निकाय के विशेष प्रस्ताव द्वारा अधिकृत वित्तीय शक्तियों/अनुमोदनों का प्रयोग करने के हकदार होंगे।
- (ग) हरियाणा अर्चक, पुजारी और अन्य नियुक्त धार्मिक पेशेवर कल्याण बोर्ड की कार्यकारी समिति को समय-समय पर शासी निकाय के विशेष प्रस्ताव द्वारा अधिकृत वित्तीय शक्तियों/अनुमोदनों का प्रयोग करने का अधिकार होगा।

20. **वार्षिक रिपोर्ट :** बोर्ड के मामलों और वर्ष के दौरान किए गए सभी कार्यों की वार्षिक रिपोर्ट सीईओ द्वारा तैयार की जाएगी। यह रिपोर्ट तथा सम्यक रूप से लेखापरीक्षित सम्पत्ति एवं दायित्व विवरण, आय एवं व्यय लेखा तथा लेखा परीक्षक की रिपोर्ट शासी निकाय के समक्ष अनुमोदन के लिए रखी जाएगी। शासी निकाय द्वारा अनुमोदित इन्हें प्रत्येक वर्ष 31 दिसंबर से पहले सामान्य निकाय की वार्षिक आम बैठक के समक्ष रखा जाएगा। सामान्य निकाय द्वारा अनुमोदित इन्हें सरकार को भेजा जाएगा तथा अधिनियम की धारा 13 में प्रमाणित समय सीमा के भीतर रजिस्ट्रार के पास दाखिल किया जाएगा, साथ ही सीईओ द्वारा प्रमाणित शासी निकाय के सदस्यों के नाम, पते तथा व्यवसायों की सूची भी संलग्न की जाएगी।

21. **संशोधन :** बोर्ड के कार्यों के संचालन के लिए नियम तथा उपनियम बनाना तथा राज्य सरकार के अनुमोदन से समय-समय पर उनमें कुछ जोड़ना, संशोधन करना, परिवर्तन करना अथवा उन्हें निरस्त करना है।

22. **सामान्य मुहर :** बोर्ड की एक सामान्य मुहर तथा लोगो होगा, जो शासी निकाय द्वारा अनुमोदित किए गए डिजाइन का होगा।

हरियाणा सोसायटी पंजीकरण एवं विनियमन अधिनियम, 2012 में परिभाषित प्रावधान अन्य सभी प्रयोजनों एवं उद्देश्यों के लिए लागू होंगे, जिन्हें ऊपर परिभाषित नहीं किया गया है।

चंडीगढ़:  
दिनांक 14 जून, 2024.

वी.उमाशंकर,  
अतिरिक्त मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार,  
सूचना, जनसंपर्क, भाषा एवं संस्कृति विभाग।

स्टाफ की आवश्यकता			
संख्या	पद का नाम	पदों की संख्या	समेकित वेतन/अनुबंध शुल्क
1	सचिव/निजी सचिव	1	एफपीएल - 7 + 200 विशेष वेतन
2	अधीक्षक	1	एफपीएल - 7
3	निजी सहायक	1	एफपीएल - 6 + 150 विशेष वेतन
4	सहायक	2	एफपीएल - 6
5	लिपिक	1	एफपीएल - 2
6	डाटा एन्ट्री ऑपरेटर	2	हाट्रोन द्वारा तय की गए वेतन के अनुसार
7	ड्राइवर	2	एफपीएल - 4
8	चपरासी	2	डीएल

चंडीगढ़:  
दिनांक 14 जून, 2024.

वी.उमाशंकर,  
अतिरिक्त मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार,  
सूचना, जनसंपर्क, भाषा एवं संस्कृति विभाग।

**HARYANA GOVERNMENT**  
**ART AND CULTURAL AFFAIRS DEPARTMENT**

**Notification**

The 14th June, 2024

**No. 1/4/2024-2P.**— the Governor of Haryana is pleased to constitute with immediate effect the Haryana Archak, Pujari and other ordained religious professionals Welfare Board with the following Constitution, Rules and Service Bye-Laws:

- 1. Name of the Board:** The name of the board shall be "Haryana Archak, Pujari and other ordained religious professionals Welfare Board" (HAPWB) and same would be established by the Government of Haryana.
- 2. Location and Address:** The Board shall have its registered head office at Chandigarh/Panchkula and may establish one or more branch offices anywhere in the state of Haryana, if required.
- 3. Priest:** The religious functionaries *i.e.* Priests referred to herein, including but not limited to Pandit, Pujari, and Purohit in Hinduism; Imam and Maulvi in Islam; Granthi in Sikhism; Monk, Lama and Nun in Buddhism; Sadhus, Sadhvi, and Monks in Jainism; and Priest and Pastor in Christianity are recognized and acknowledged as ordained religious practitioners within their respective faiths. The inclusion of these titles is intended for clarity in recognizing the diversity of religious leaders and practitioners across different belief systems. Such individuals, who hold specific religious responsibilities, perform rituals, lead congregational activities and duly authorized by their religious institutions to officiate over religious ceremonies, rites or services shall be considered priests for all practical purposes.
- 4. Aims and Objectives of the Board:**
  - (i) It will formulate and recommend specific redressal measures for all issues related to priests. It would aim at ensuring a conducive and supportive environment for the professional as well as personal lives of priests.
  - (ii) The Board, in adherence to its statutory obligations, shall conduct a comprehensive analysis of the economic status of Priests. This analysis will encompass factors such as the prevailing economic conditions, cost of living indices and the nature of services rendered by the Priest. The Board shall deliberate and recommend minimum wages for the priests that will be commensurate with the valuable services provided by them so as to ensure their financial stability.
  - (iii) The Board shall take a proactive approach in identifying and implementing a spectrum of welfare measures for the priests.
  - (iv) These measures will be devised to enhance the overall quality of life of priests engaged in religious practices.

The welfare initiatives may encompass, but will not be limited to:

- **Healthcare Provisions:** The Board will explore and establish healthcare programs, ensuring access to medical facilities regular health check-ups and medical insurance for priests and their families.
- **Educational Support:** The Board may institute programs such as scholarships, vocational training or/and grants to provide educational support to the priests and their dependents.



- **Housing Facilities:** The Board may undertake initiatives to make provision of housing for the priests.
  - **Skill Development:** The Board may facilitate skill training of the priests as well as their children. This may take the shape of separate schemes or incentives to ensure skill upgradation.
  - **Additional Welfare Initiatives:** The Board may introduce diverse initiatives aimed at addressing specific needs and challenges faced by the priests, including pension plans, financial assistance during emergencies or events like marriage of children, organizing religious symposia, counseling services, arranging visits to places of religious/historical importance, etc.
- (iv) Board will maintain liaison between the State Government and the Priest community. It will facilitate open and effective dialogue, ensuring that the concerns, needs, and perspectives of priests are accurately conveyed to the government, fostering collaboration and understanding.

**5. Management of the Board:** The management of the affairs of the Board shall be vested with its Governing Body and Executive Committee.

**The Governing Body:** The Governing Body shall include Chief Executive Officer-cum-Member Secretary, Additional Chief Executive Officer, Ex-Officio Members, Non-Official/Nominated members co-opted by the Chairman for the term of the Governing Body.

**Executive Committee:** The Executive Committee of the Board shall consist of Chairman, Deputy Chairman, CEO-cum-Member Secretary, Additional Chief Executive Officer and Finance Officer of the Haryana Archak, Pujari and other ordained religious professionals Welfare Board.

**6. Founding Members for the formation of Board:** The members, associating themselves for the purpose described in Memorandum of Association and desirous of formation themselves into a Board shall be the founding members of the Board.

**7. Powers to make rules:** The Governing Body of the Board shall have the powers to make Bye-Laws and regulations for its governance. They shall come into force after the approval of the State Government.

#### **Desirous members**

We the several persons whose addresses are given below having associated ourselves for the purpose described in the Memorandum of Association, do hereby subscribe our names to this Memorandum of Association and set out our respective hands hereunto and form ourselves into a Board, under the Haryana Registration and Regulation of Societies Act, 2012:-

Sr. No.	Name and Designation
1.	Chief Secretary to Government of Haryana
2.	Administrative Secretary, Revenue & Disaster Management Department.
3.	Administrative Secretary, Tourism Department.
4.	Administrative Secretary, Finance Department.
5.	Administrative Secretary, Information, Public Relations, Languages & Culture Department.
6.	Director/Director General, Art and Cultural Affairs Department.

#### **Haryana Archak, Pujari and other ordained religious professionals Welfare Board (HAPWB)**

#### **BYE-LAWS**

#### **Rules and Regulations**

**Title:-** These Bye-Laws shall be called “The Rules and Regulations of the “Haryana Archak, Pujari and other ordained religious professionals Welfare Board (hereinafter referred to as HAPWB or the Board)”

- 1. Status of the Board (HAPWB):** The Board shall be a juristic person, shall have perpetual succession and can sue or be sued in its own name through its CEO/Member-Secretary.
- 2. Scope and Application:** These Rules and Regulations shall extend to all the branches and activities of the Board in Haryana State.
- 3. Definitions:** In these Rules the following expressions shall have the meaning as indicated below, unless the context otherwise requires:-
  - a. “**Act**” means the Haryana Registration and Regulation of Societies Act, 2012.
  - b. “**Board**” means the Haryana Archak, Pujari and other ordained religious professionals Welfare Board registered under the Act.

- c. **“Chairman”** means the Chairman of HAPWB and the Chief Minister of the State.
  - d. **“Deputy Chairman”** means a person appointed by the Chairman as Deputy Chairman of HAPWB.
  - e. **“Competent Authority”** means the General/Governing Body of the Board.
  - f. **“Governing Body”** means the Governing Body to which, by these Rules and Regulations, the management of the Board and its affairs are entrusted including the Executive Committee.
  - g. **“General Body”** means the General Body of all the members of the Board including Executive Committee.
  - h. **“Executive Committee”** means the Executive Committee of the Haryana Archak, Pujari and other ordained religious professionals Welfare Board, which consist of Chairman, Deputy Chairman, CEO, Addl. CEO and Finance Officer of the Board.
  - i. **“CEO”** means the Chief Executive Officer of the Board appointed in terms of these Rules and Regulations.
  - j. **“Additional CEO”** means the Additional Chief Executive Officer of the Board appointed in terms of these Rules and Regulations.
  - k. **“Member Secretary”** of the Governing Body/General Body means the CEO of Haryana Archak, Pujari and other ordained religious professionals Welfare Board.
  - l. **“State Government”** means the Government of Haryana.
4. **Membership:** The Board shall have a General Body consisting of the following members.
- a. Ex-Official Members
  - b. Non-official/Nominated Members
    - i. **Ex-Official Members:-** Members holding membership in their official capacity. In case of such membership the successor to the office in the eventuality of transfer or termination or demise or resignation of the member shall automatically become the member of the General Body. Chairman shall co-opt the Ex-official members from time to time.
    - ii. **Non- official/Nominated Members:-** Non-official/Nominated Members will be the persons of repute to be so included by the Chairman of HAPWB. The terms of appointments for the nominated members shall be one year in first instance.
5. **Loss of Membership:**
- a. Membership of a member of the Board shall ipso-facto terminate or lapse, If the member-
    - i. dies, or permanently leaves India; or
    - ii. tenders resignation in writing to the Board; or
    - iii. is declared insane by a competent authority; or
    - iv. is found guilty by any court; or
    - v. is removed by a resolution passed by 2/3 majority of members of the General Body.
  - b. **Cessation of Membership:** Membership of a member of the General Body or Governing Body, as the case may be, in ex-officio capacity by virtue of holding an office of appointment, shall cease when he ceases to hold such office of appointment.
6. **General Body:** The General Body shall provide overall policy guidance and support to the programmes of the Board.
- Chairman:-** The Chief Minister of Haryana shall be the Chairman of Haryana Archak, Pujari and other ordained religious professionals Welfare Board.
- Deputy Chairman:-** Deputy Chairman shall be a person appointed by the Chairman as Deputy Chairman of Haryana Archak, Pujari and other ordained religious professionals Welfare Board.
- Terms & Conditions of the Deputy Chairman, the Board:**
- (i) **Tenure of Office:** The term of office for members of the Board shall be for one year, or at the discretion of the nominating authority, whichever is applicable. The nominating authority reserves the right to determine the duration of the Board members' tenure, and their service may be extended or curtailed based on the discretion of the nominating authority.
  - (ii) **Honorarium:** He/She shall be paid Rs. 75,000/-per month as Honorarium.
  - (iii) **Perquisites:**
    - a. **House Rent:** House Rent Allowance of Rs. 50,000/-per month or actual rent to the Deputy Chairman, whichever is less.
    - b. **Telephone:** Telephone facility will be provided at the office as well as residence along with one cell phone equivalent to entitlement of Grade-I officer (FPL-14) of the State Government.

- c. **Daily Allowance:** The rate of daily allowance admissible to the Him/Her shall be as per entitlement of Grade-I officers.
- d. **Medical Allowance:** He/She will be given medical facilities as admissible to the Government Employees.
- e. **Staff Car:** A Staff Car will be placed at the disposal of the Deputy Chairman for official use at the headquarters and also outside for official journey.

**Note:** When journey is undertaken to place outside the State and Delhi and the Staff Car is not used, travelling allowance will be payable for distance beyond the State limits/Delhi. The rate of travelling allowance, when admissible will be same as applicable to Grade-I officers (FPL-14) of the State Government provided further that (when a non-official Deputy Chairman is provided with Staff Car) he may perform an official duty at headquarters and outside the headquarters up to a total limit of 5000 kms in a calendar month and if the total journey both at headquarters and outside headquarters exceed 5000 kms. in a calendar month, the excess journey would be treated as private journey.

Or

In case of staff car an option may be given to opt for mileage scheme @ Rs.18 per km under outsourcing policy.

(Note: All the Standard terms & conditions for appointment of non-official as Deputy Chairman/Advisors in public sector Undertakings/Departments/Cooperative organizations shall be applicable to the Deputy Chairman, the Board as issued by the State Government from time to time.)

**Ex-officio Members;**

- (i) Chief Secretary to Government of Haryana.
- (ii) Additional Chief Secretary/Principal Secretary, Revenue & Disaster Management Department.
- (iii) Additional Chief Secretary/Principal Secretary, Tourism Department.
- (iv) Additional Chief Secretary/Principal Secretary, Finance Department.
- (v) Additional Chief Secretary/Principal Secretary, Information, Public Relations, Languages & Culture Department.
- (vi) Director/Director General, Art and Cultural Affairs, Haryana

**Non official/Nominated Members:**

The State Government shall nominate upto 5 members from amongst eminent persons. Apart from this special invitees may also be invited to the meeting and functions of the Board with due permission of the Chairman.

**Terms & conditions of non-official members:**

- I. The tenure of the office of the non-official members shall be for one year. The period can be extended by the State Government, if deemed fit.
- II. The headquarters of the Board shall be at Chandigarh/Panchkula but if necessary, the Chairman can hold meeting through-out the State.
- III. The non-official members shall be entitled the rate of travelling and daily allowance, while performing journey to attend the Board's meeting as admissible to Grade-II officers of the State Government as mentioned in TA rules. The travelling allowances shall be provided from place of permanent residence.
- IV. The Expenditures on account of TA/DA etc. shall be met by the HAPWB Fund

(Note: The above-said terms & conditions of the Deputy Chairman and other non-official members may be revised by the State Government from time to time.)

- 7. **Powers and functions of the General Body:-** Powers and functions of the General Body shall be as follows:-
  - a. To evolve and oversee the monitoring and implementation of the policies, programmes and schemes related for the welfare of Priests in the State of Haryana.
  - b. To facilitate assessment, identification of resource requirements and their allocation for programmes/schemes related to the welfare of Priests in the State of Haryana.
- 8. **General Body and its Meetings:**
  - (i) **Annual General Meeting:** The Board shall hold a meeting of all its members every year called Annual General Meeting (AGM).
  - (ii) **Special General Meeting:** In addition to the Annual General meeting a Special General Meeting may be convened at any time on the request of the Chairman of the General Body or request of the not less than 1/3 of the members of the General Body.

- (iii) **Business:** Every meeting of the General Body shall be presided over by the Chairman or in his absence, by the Deputy-Chairman or in his absence by one of the other members, elected by the members present from among themselves. Each member including the member presiding at the meeting of the General Body shall have one vote but the presiding member shall also have a casting vote in addition to his vote as member in case of equality of votes. All the matters shall be decided by consensus or a majority of votes.
- (iv) **Reports:** The following reports pertaining to the previous financial year shall be placed before the General Body in every Annual General Meeting:-
1. Report of the Governing Body regarding affairs of the Board including the progress made in its programmes in furtherance of its aims and objectives
  2. Audited copy of the assets and liabilities statement.
  3. Report of the Auditor of the Board.
- (v) **Minutes of the Meeting:** A copy of the Minutes of the each meeting shall be furnished to the member of the General Body, as soon as possible, after the completion of the meeting. The Chairman/Deputy Chairman shall approve the minutes of the meeting. Minutes of every meeting shall be kept by the Member-Secretary and shall be read out at its next meeting and confirmed either with or without amendments, as the case may be.
- (vi) **Resolution:** Every resolution of the General Body shall be passed by consensus or by a majority of members present and voting, for the resolution to be valid. In case of expediency, the Member-Secretary of the Board may circulate a resolution for approval and such resolution shall be deemed to have been passed if majority of the members approve it. Provided that such resolution shall be valid if and only if the Chairman is also one among the members approving the resolution. The resolution so passed by circulation shall be recorded in the proceedings of the next meeting of the General Body.
9. **Governing Body:-** The Governing Body shall be the Governing Body, to whom these Rules and Regulations of the Board, the management of its affairs is entrusted. The Governing Body consists of following members.
- Chairman:-** The Chief Minister of Haryana shall be the Chairman of Haryana Archak, Pujari and other ordained religious professionals Welfare Board.
- Deputy Chairman:-** The Deputy Chairman shall be a person appointed by the Chairman as Deputy Chairman of Haryana Archak, Pujari and other ordained religious professionals Welfare Board.
- Ex-Officio Member of Governing Body**
- (i) Chief Secretary to Government of Haryana.
  - (ii) Additional Chief Secretary/Principal Secretary, Revenue & Disaster Management Department.
  - (iii) Additional Chief Secretary/Principal Secretary, Tourism Department.
  - (iv) Additional Chief Secretary/Principal Secretary, Finance Department.
  - (v) Additional Chief Secretary/Principal Secretary, Information, Public Relations Languages & Culture Department.
  - (vi) Director/Director General, Art and Cultural Affairs, Haryana
10. **Non-Official/Nominated Members:-**
- The State Government shall nominate upto 5 members from amongst eminent persons.
- Meetings:** The Governing Body will meet as required under the Act or as and when desired by the Chairman or by the Deputy Chairman if so authorized by the Chairman. No Business shall be transacted at any meeting unless at least one third of members are present.
- i. **Special Meeting:** A special meeting may be convened at any time on the request of the Chairman of the Governing Body or request of the not less than 1/3 of the members of the Governing Body.
  - ii. **Business:** Every meeting of the Governing Body shall be presided over by the Chairman or in his absence, by the Deputy-Chairman or in his absence by one of the other members, elected by the members present from among themselves. Each member including the member presiding at the meeting of the Governing Body shall have one vote but the presiding member shall also have a casting vote in addition to his vote as member in case of equality of votes. All the members shall be decided by consensus or a majority of votes.

- iii. **Minutes of the Meeting:** A copy of the Minutes of the each meeting shall be furnished to the member of the Governing Body, as soon as possible, after the completion of the meeting. The Chairman/Deputy Chairman shall approve the minutes of the meeting. Minutes of every meeting shall be kept by the Member-Secretary and shall be read out at its next meeting and confirmed either with or without amendments, as the case may be.
  - iv. **Resolution:** Every resolution of the Governing Body shall be passed by consensus or by a majority of members present and voting, for the resolution to be valid. In case of expediency, the Member Secretary of the Board may circulate a resolution for approval and such resolution shall be deemed to have been passed if majority of the members approve it. Provided that such resolution shall be valid if and only if the Chairman is also one among the members approving the resolution. The resolution so passed by circulation shall be recorded in the proceedings of the next meeting of the Governing Body with permission of the Chairman/Deputy Chairman.
11. **Executive powers, of Deputy Chairman of the Board:—**  
Deputy Chairman of the Board shall be entitled to exercise all the administrative and financial powers that may be delegated by the Chairman from time to time.
12. **Functions and Powers of the Governing Body :-**  
Subject to provision of the Memorandum of Association and the Rules and Management of the business and affairs, the Governing Body shall have all advisory, executive and financial powers to conduct the affairs of the Board through its Member Secretary. All the duties, powers, functions and rights whatsoever, consequential and incidental to the carrying of the objectives of the Board, shall only be exercised or performed by the Governing Body.
13. **CEO-cum-Member Secretary:** The CEO-cum-Member Secretary of HAPWB shall be appointed by the Chairman. He shall be an officer in the Indian Administrative Services working in the Government of Haryana. He shall be the Member-Secretary of the General Body/Governing Body of the Board and its Chief Executive Officer.
14. **Additional Chief Executive Officer:** The CEO-cum-Member Secretary of the HAPWB will be assisted by Additional CEO in the conduct of day to day administration and financial matter of the Board both in General Body and Governing Body. He shall be an officer of the Haryana Civil Services working in the Government of Haryana.
15. **Finance Officer:** The Finance Officer shall be appointed by the Chairman to look after the financial aspect of the Board. He shall be an officer of the relevant cadre from the Government of Haryana.
16. **Power and Functions of the CEO-cum-Member Secretary: The CEO Shall**
- (i) To take appropriate action as may be necessary for execution of the policies/schemes laid-down by the State Government for the welfare of the Priests.
  - (ii) To manage and control of day-to-day affairs and administration of the Board as controlling authority of all employees of the Board.
  - (iii) To Sign all the documents and proceedings requiring authentication by the Board.
  - (iv) To represent the board in business and legal transactions.
  - (v) To convene the meetings of Official members and Non-official members of the Board in consultation with the Chairman/Deputy Chairman.
  - (vi) To act as controlling officer in respect of the TA Bills of the non-official members of the Board.  
(To perform any other powers/functions as the Governing Body assigns to the Secretary-cum-Member Secretary from time to time.)
17. **Service Rules of Employees of the Board:**
- a. The Board may frame and adopt rules regarding service matters of its employees, with the approval of the Governing Body with concurrence of the State Government.
  - b. Scale of pay in respect of the posts to be created by the Governing Body shall be equivalent to Haryana Kaushal Rozgar Nigam Limited or approved by the Governing Body in consultation with the State Government.
  - c. Terms and conditions of appointments of the consultants and other functionaries, who are not regular employees of the Board, shall be finalized with the approval of Governing Body.
  - d. Mode of recruitment in respect of the posts to be created for the Board shall be on deputation or on short-term contract or through relevant process of Government of Haryana. For work related specific assignments, persons would be deployed on fixed remuneration with provisions for revision, if considered necessary with the approval of Governing Body.

- 18. Fund:** The Board shall maintain a Fund called “HAPWB Fund” to which it shall credit all sums of money that may be provided by the State as well as Central Government and financial assistance from any other source.
- 19. Financial Powers**
- Chief Executive Officer of the Haryana Archak, Pujari and other ordained religious professionals Welfare Board shall be entitled to exercise the financial powers/approvals as authorized from time to time by a special resolution of Governing Body.
  - Deputy Chairman of the Haryana Archak, Pujari and other ordained religious professionals Welfare Board shall be entitled to exercise the financial powers/approvals as authorized from time to time by a special resolution of Governing Body.
  - Executive Committee of the Haryana Archak, Pujari and other ordained religious professionals Welfare Board shall be entitled to exercise the financial powers/ approvals as authorized from time to time by a special resolution of Governing Body.
- 20. Annual Reports:** An Annual Report of the affairs of the Board and all work under taken during the year shall be prepared by the CEO. This report and duly audited assets and liability statement, income and expenditure account and auditor’s report shall be placed for approval before the Governing Body. These as approved by the Governing Body shall be placed before the Annual General Meeting of the General Body before 31st December of every year. These, as approved by the General Body, shall be forwarded to the Government and shall be filed with the Registrar, within the time limit certified in Section 13 of the Act, along with a list of names, addresses and occupations of the Members of the Governing Body certified by the CEO.
- 21. Amendment:** To make rules and bye-laws for the conduct of the affairs of the Board and to add to, amend, vary or rescind them from time to time with the approval of the State Government.
- 22. Common Seal:** The Board shall have a common seal and logo of such make and design as the Governing Body may approve.
- The provisions as defined in THE HARYANA REGISTRATION AND REGULATION OF SOCIETIES ACT, 2012 shall be applicable for all other intents and purposes not defined above.

Chandigarh:  
The 14th June, 2024.

V. UMASHANKAR,  
Additional Chief Secretary to Government of Haryana,  
Information, Public Relations, Languages and Culture Department.

#### Staff Requirement

Sr. No.	Designation	Number of Posts	Consolidated Wages / Contract Fee
1.	Secretary/Private Secretary	1	FPL – 7 + 200 Spl. Pay
2.	Superintendent	1	FPL – 7
3.	Personal Assistant	1	FPL – 6 + 150 Spl. Pay
4.	Assistant	2	FPL – 6
5.	Clerk	1	FPL – 2
6.	Data Entry Operator	2	As per wages fixed by Hartron
7.	Driver	2	FPL – 4
8.	Peon	2	DL

Chandigarh:  
The 14th June, 2024.

V. UMASHANKAR,  
Additional Chief Secretary to Government of Haryana,  
Information, Public Relations, Languages and Culture Department.